5/10/21

(1) पिता-पुत्र का वार्तालाप पढ़ाई को लेकर।

पिता- राज, तुम्हारी पढ़ाई कैसी चल रही है?

राज- जी पिताजी, अच्छी चल रही है।

पिता- तुम्हे पता है ना, परीक्षा के लिए केवल दो महीने बाकी है।

राज- जी पिताजी।

पिता- ध्यान रखो जैसे को अच्छे अंक प्राप्त करोगे।

राज- जी पिताजी, यही सोचकर मैंने अपनी पढ़ाई के लिए दिन-रात एक कर रखे है।

पिता- अच्छे से अपनी पढ़ाई करोगे तो तुम्हे कही मात नहीं खानी पड़ेगी।

~~विद्या~~ राज - जी पिताजी। आपने बचपन से ही मेरी पढ़ाई मे इतनी सहायता की है और मुझे इतनी अच्छी तरह से पढ़ाते आये है की उसी ~~कारण~~ कारण से आज मैं इतनी मेहनत कर पा रहा हूँ।

(2) महँगाई को लेकर दो मित्रों के बीच वार्तालाप

राम - अरे राहुल! कहाँ जा रहे हो?
राहुल - राम बड़े दिनों बाद दिख रहे हो। मैं बस राशन लेने जा रहा था।
राम - अच्छा। वैसे आज कल बाजार में महंगाई बढ़ गई है न?
राहुल - हाँ दोस्त, महंगाई तो रुकने का नाम नहीं ले रही। सब्जी, पेट्रोल आदि सब महंगाई हो रहे हैं।
राम - हाँ अब खर्च भी देखकर करना पड़ रहा है। चलो मैं तुमसे बाद में मिलता हूँ।
राहुल - हाँ, मुझे भी बाजार जाना है।

परीक्षा में अच्छे अंक लाने के लिए दो सहेलियों के मध्य वार्तालाप।

राम - "राज, आठवीं की परीक्षा समीप आ रही है।"
राज - "हाँ, यार। इस बार बहुत ध्यान से पढ़ना होगा।
राम - तुम्हारी तैयारी कैसे चल रही है?
राज - बढ़िया। और तुम्हारी?
राम - जबरदस्त। मैं हर रोज जल्दी उठ कर पढ़ता हूँ और देर रात तक नहीं जागता।

राज- वास्तव में मुझे भी क्या करना चाहिए।
राम- हाँ, और याद रखना कि पढ़ने के बीच में कुछ पौष्टिक चीज भी खानी चाहिए।
राजू- धन्यवाद राम! तुमने मेरी खूब सहायता की है।
राम- अरे, यह तो मेरा फर्ज था। चलो, अब पढ़ाई शुरू करें। समय को खोना नहीं चाहिए।
राज- हाँ, चलो। अब मैं भी पूरे अंक लाऊँगा।